for commercial purposes. For developing improved seeds of flowers, fruits and vegetables through better pollination with the help of bees, they have obtained a few bee colonies from the State Apiary Research Station, Nainital and kept them in the Government nursery. One Section Officer had four months' training in apiary at that Research Station. No honey could be collected as most of the colonies disappeared because of the intense summer heat in both 1966 and 1967. Hardly any expenditure is incurred on keeping the bee colonies.

(e) and (f). No incentives are offered by the C.P.W.D. to residents of Government quarters for beekeeping as this is not one of the approved activities of the Horticulture Directorate.

हंगरी से फ्लोटिंग पम्पिंग सेट

8737. **श्री भोगेन्द्र झा :** क्या सिंचाई और विद्युत् मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हंगरी की सरकार ने एक फ्लोटिंग पम्पिंग सेट का उपहार दिया है जो बहुत शक्तिशाली है और उसका बिहार में सफलतापूर्वक प्रयोग किया जा रहा है ; और

(ख) क्या अन्य क्षेत्रों में इस प्रकार के फ्लोटिंग सेटो का प्रयोग करने के हेतु बड़ी संख्या में इन पम्पों को मंगाने की सरकार व्यवस्था कर रही है ?

सिंचाई और विद्युत् मंत्री (डा० कु० ल० राव) : हंगरी से उपहार के रूप में प्राप्त फ्लोटिंग पंम्पिंग स्टेशनों को संतोषजनक रूप से चालू कर दिया गया है।

(ख) फ्लोटिंग पम्प सैट लगाने के लिये राज्यों को उत्साहित किया जा रहा है। पश्चिमी बंगाल और उड़ीसा के पास आगे ही ऐसे कई सैट काम कर रहे हैं ; अब ये सैट देश में ही उपलब्ध हैं।

बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को पेशगी वेतन

8738. **श्री गुणानन्द ठाकुर :**
श्री विद्याधर वाजपेयी :
श्री रामावतार शास्त्री :
श्री क० मि० मधकर :
श्री चन्द्रशेखर सिंह :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार द्वारा इस आशय के कोई आदेश जारी किये थे कि बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में सूखे की स्थिति होने के कारण वहां के सरकारी कर्मचारियों को तीन महीने का वेतन पेशगी दिया जायेगा ;

(ख) यदि हां, तो क्या सभी कर्मचारियों को पेशगी वेतन दे दिया गया है ;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(घ) उन कर्मचारियों को कब तक वेतन दे दिया जायेगा ?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) जी, हां। बिहार तथा उत्तर प्रदेश के अनावृष्टि से प्रभावित कुछ जिलों में काम कर रहे केन्द्रीय सरकार के अराजपत्रित कर्मचारियों को तीन महीने का वेतन इस शर्त पर पेशगी देने के आदेश 1 मई 1967 को जारी किये गये थे कि पेशगी की अधिकतम रकम 500 रुपये होगी और उसकी वसूली चौबीस समान मासिक किश्तों में की जायगी।

(ख) से (घ) : पेशगी की अदायगी न किये जाने के संबंध में केन्द्रीय सरकार के किसी कर्मचारी से व्यक्तिगत रूप में अथवा संस्थाओं, संघों आदि से इस मंत्रालय में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। नियमों के अन्तर्गत, पेशगी की रकम केवल वे कर्मचारी पा सकते

हैं जो इसके लिए आदेश जारी होने की तारीख से तीन महीनों के अन्दर अर्थात् मौजूदा मामले में जुलाई 1967 के अन्त तक आवेदन-पत्र पेश कर देते। इसके अलावा पेशगी की रकम मंजूर करने से पहले कुछ अन्य शर्तें पूरी करनी होती हैं, इसलिए संभव है कि देरी से पेश की गई कुछ दरख्वास्तें अभी भी पेशगी मंजूर करने वाले अधिकारियों के पास कार्यवाही के लिए पड़ी हो। सभी सरकारी कर्मचारियों के संबंध में निश्चित सूचना इकट्ठी करने में इतना समय, श्रम तथा धन लगेगा कि वह उनसे प्राप्त होने वाले परिणामों के अनुरूप नहीं होगा।

चौथी पंचवर्षीय योजना के लिए बिहार की सहायता

8739. **श्री भोगेन्द्र झा :** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार सरकार ने चौथी पंचवर्षीय योजना के लिए अतिरिक्त 15 करोड़ रुपये की मांग की है ; और

(ख) इस बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) और (ख) . जी, नहीं। चौथी पंचवर्षीय आयोजना के संबंध में खर्च और साधनों के आंकड़े अभी अन्तिम रूप से निर्धारित नहीं किये गये हैं।

बिहार में बाढ़

8740. **श्री भोगेन्द्र झा :** क्या **सिंचाई और विद्युत्** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोसी, कमला, बागमती नदियों तथा अधवाड़ा, गंडक तथा अन्य कई नदियों तथा उपनदियों की सहायक नदियों में हाल में बाढ़ आ जाने के कारण उत्तर बिहार क्षेत्र में स्थिति और अधिक खराब हो गई है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि कोसी नदी पर दूसरा बांध, पश्चिम कोसी नहर परियोजना अधवाड़ा परियोजना, गंडक परियोजना तथा अन्य परियोजनाओं के कारण बिहार का उत्तरी क्षेत्र सब से अधिक सूखाग्रस्त तथा बाढ़ग्रस्त है ; और

(ग) बाढ़ से बचाव के लिए सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

सिंचाई और विद्युत् मंत्री (डा० कु० ला० राव) : (क) चम्पारन, मजफ्फरपुर दर्भंगा, पुर्णिया और मुंघेर जिलों के कुछ हिस्से हाल ही की बाढ़ों से प्रभावित हुए हैं।

(ख) और (ग) . उत्तरी बिहार में प्रायः बाढ़ें आती हैं और निकास अवरोध पैदा होता है और वह गत दो वर्षों से सूखे से भी प्रभावित हुआ है। कोसी, गंडक, कमला और बागमती सिंचाई स्कीमों के पूर्ण होने पर उत्तरी बिहार को निश्चित रूप से ही सिंचाई सुविधायें मिलेंगी। बागमती, कमला, अधवारा, नदियों और महानन्दा पर तटबन्धों के निर्माण अथवा विस्तार के प्रस्तावों पर सक्रिय रूप से विचार हो रहा है।

पूना अनुसन्धान केन्द्र में हुए प्रारूप प्रयोगों से पता चला है कि कोसी पर दगमरा में दूसरे बराज के निर्माण से नदी में अपने रास्ते के अतिरिक्त इधर उधर अन्य मार्गों में बहने का रुझान उत्पन्न हो जायेगा जिसके